सब कुछ जानने वाला राजकुमार

शीला



सब कुछ जानने वाला राजकुमार

शीला





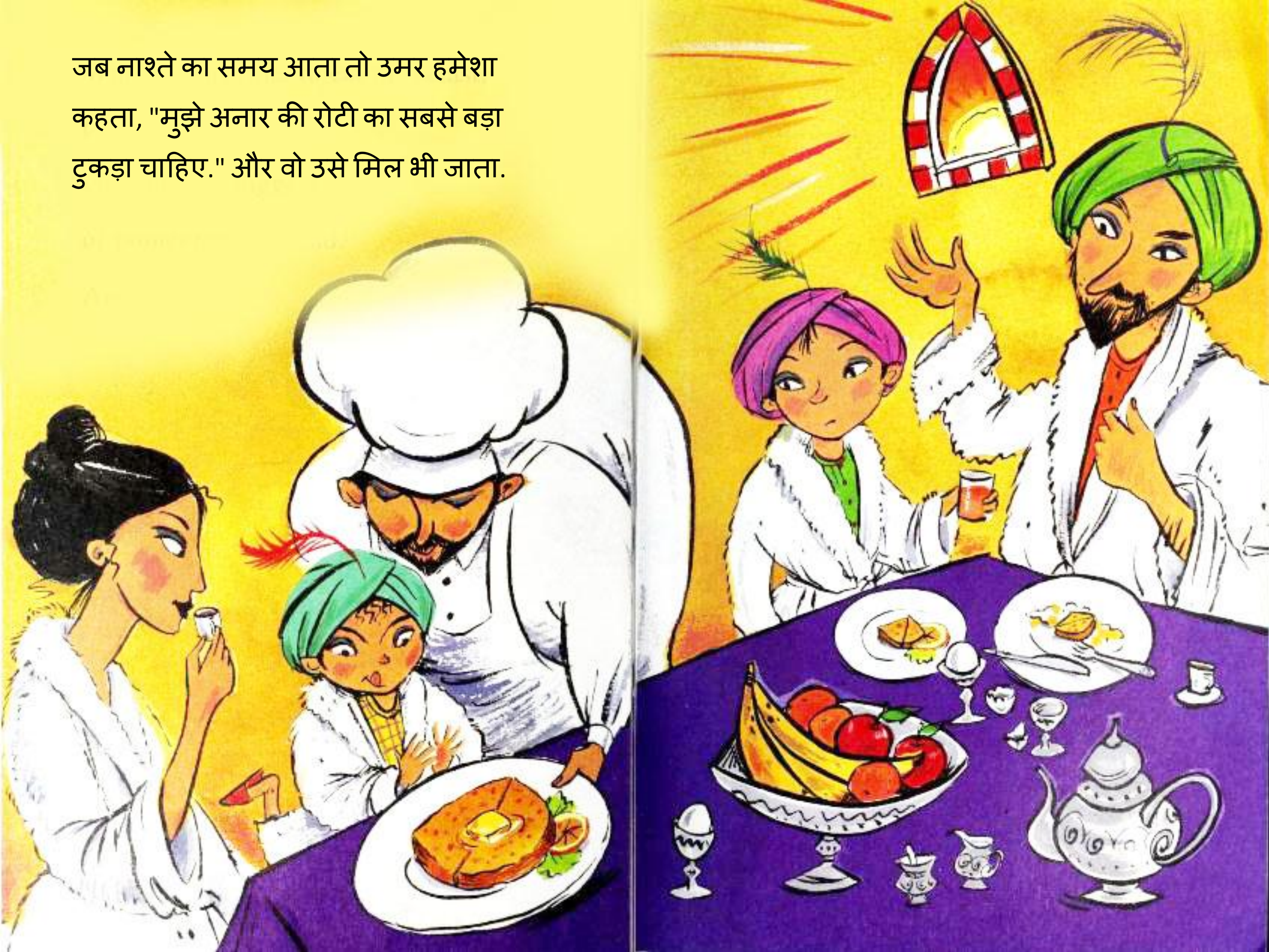
बहुत पहले दो राजकुमार रहते थे.
यह इतनी पहले की बात है कि
तुम्हारे परदादा के परदादा भी
उन्हें नहीं जानते होंगे.

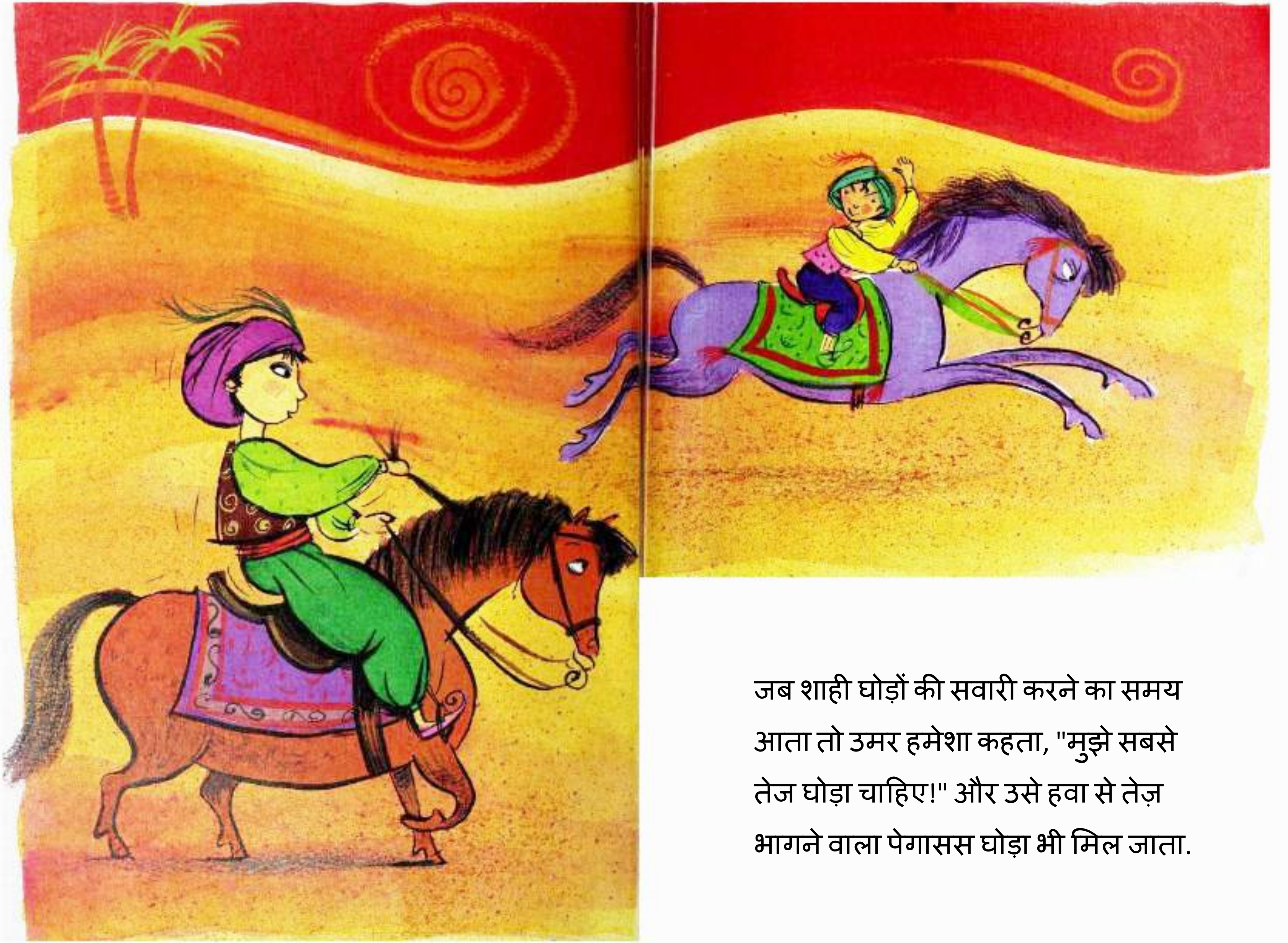


कालेब दोनों राजकुमारों में से एक था. वह एक दयालु और विचारशील लड़का था.

उसका छोटा भाई, उमर उसका बिल्कुल उल्टा था. उमर की आदतें बहुत खराब हो गयीं थीं. पर महल में कालेब को छोड़कर, उसपर किसी और का ध्यान ही नहीं गया था. और कालेब अपना मुँह बंद रखता था.

जब नाश्ते का समय आता तो उमर हमेशा
कहता, "मुझे अनार की रोटी का सबसे बड़ा
टुकड़ा चाहिए." और वो उसे मिल भी जाता.





जब शाही घोड़ों की सवारी करने का समय आता तो उमर हमेशा कहता, "मुझे सबसे तेज घोड़ा चाहिए!" और उसे हवा से तेज़ भागने वाला पेगासस घोड़ा भी मिल जाता.

जब रात के खाने का समय होता, तो उमर हमेशा कहता, "मुझे बैंगन का भरता चाहिए!" और रसोइये बैंगन को भूनकर उन्हें शाही बैंगनी प्लेटों में परोसते, क्योंकि उमर को वे प्लेटें सोने की प्लेटों से बेहतर लगती थीं.

बेचारे कालेब को किसी भी रंग की प्लेट में बैंगन का भरता खाने से नफरत थी. उसकी बस एक ही इच्छा थी - वो सिर्फ एक बार उमर से कुछ बेहतर करना चाहता था.





एक दिन उमर ने कालेब से कहा, "हमारे राज्य में सैकड़ों जानवर हैं. लेकिन उनमें से कोई भी हमारा नहीं है."

"हमारा?" कालेब ने पूछा.

"हाँ, हमारा," उमर ने कहा. "हम शाही राजकुमार हैं, फिर भी हमारे पास अपना कोई पालतू जानवर नहीं है.



हमारी मां, शाही बिल्ली - पाउडर-पफ की मालकिन है.



हमारे पिता पेगासस घोड़े के मालिक हैं, जो राज्य का सबसे तेज घोड़ा है."



कालेब ने सोचा कि गाँव के लड़के जिन मरियल और गंदे गधों पर जलाऊ लकड़ी लेकर जाते हैं उन्हें पालतू जानवर नहीं कहा जा सकता था. लेकिन वो सब-कुछ-जानने वाले राजकुमार के साथ बहस करना नहीं चाहता था.

उमर को यह बिल्कुल अच्छा नहीं लगा. "यहां तक कि गांव के लड़कों के पास भी उनके पालतू जानवर हैं," उसने कहा.

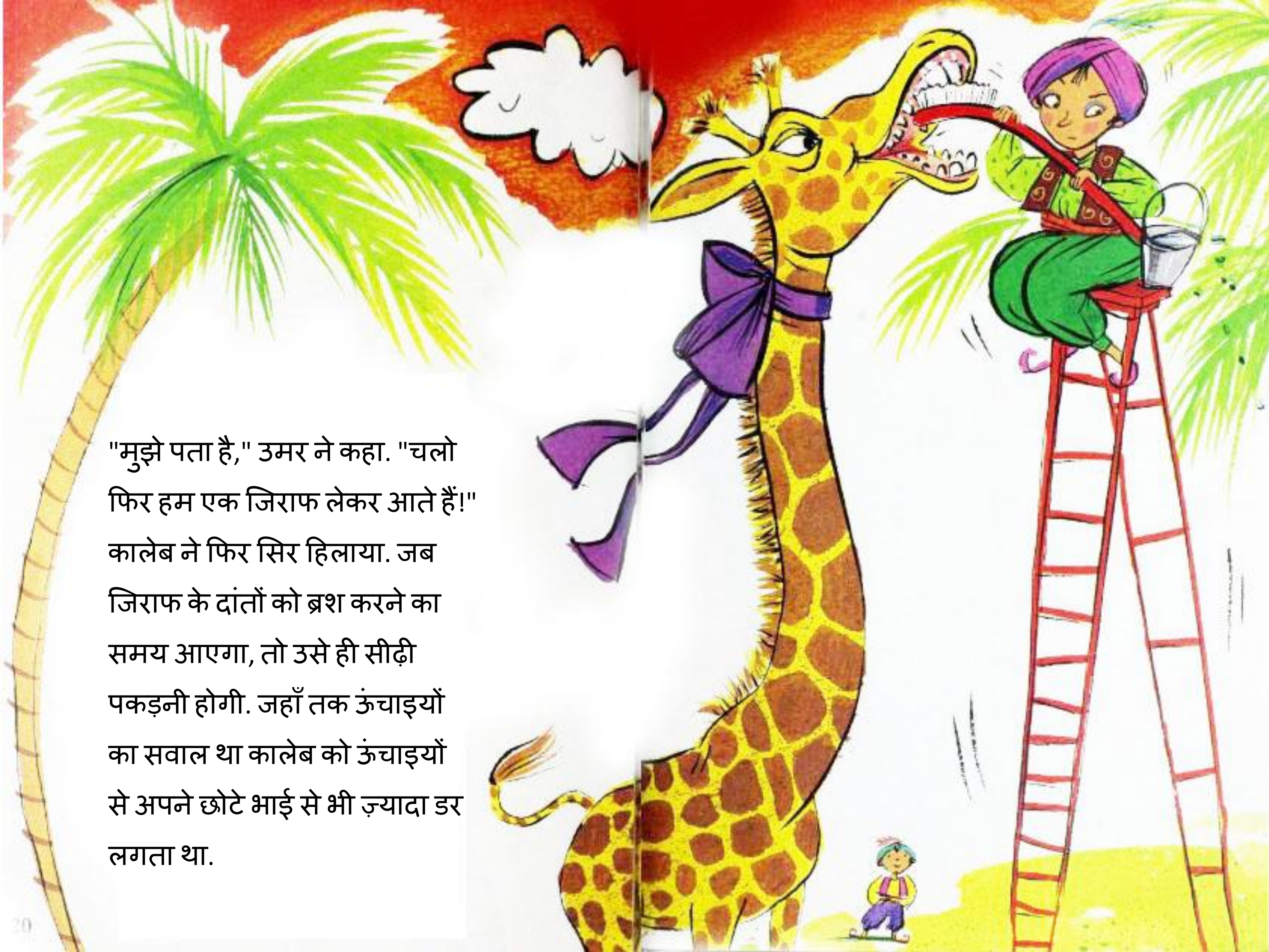
"मेरे दिमाग में एक विचार आया है," उमर ने कहा. "चलो हम एक पालतू शेर लाते हैं!"

कालेब ने सिर हिलाया. वह असलियत जानता था. जब शेर के चलने का समय आएगा, तो उसे ही शेर को गाँव के रास्ते खींचकर ले जाना पड़ेगा.





और अगर शेर किसी गरीब गाँव के लड़के को खा जायेगा, तो उसका दोष भी उसी के मत्थे लगेगा.



"मुझे पता है," उमर ने कहा. "चलो फिर हम एक जिराफ लेकर आते हैं!" कालेब ने फिर सिर हिलाया. जब जिराफ के दांतों को ब्रश करने का समय आएगा, तो उसे ही सीढ़ी पकड़नी होगी. जहाँ तक ऊंचाइयों का सवाल था कालेब को ऊंचाइयों से अपने छोटे भाई से भी ज़्यादा डर लगता था.

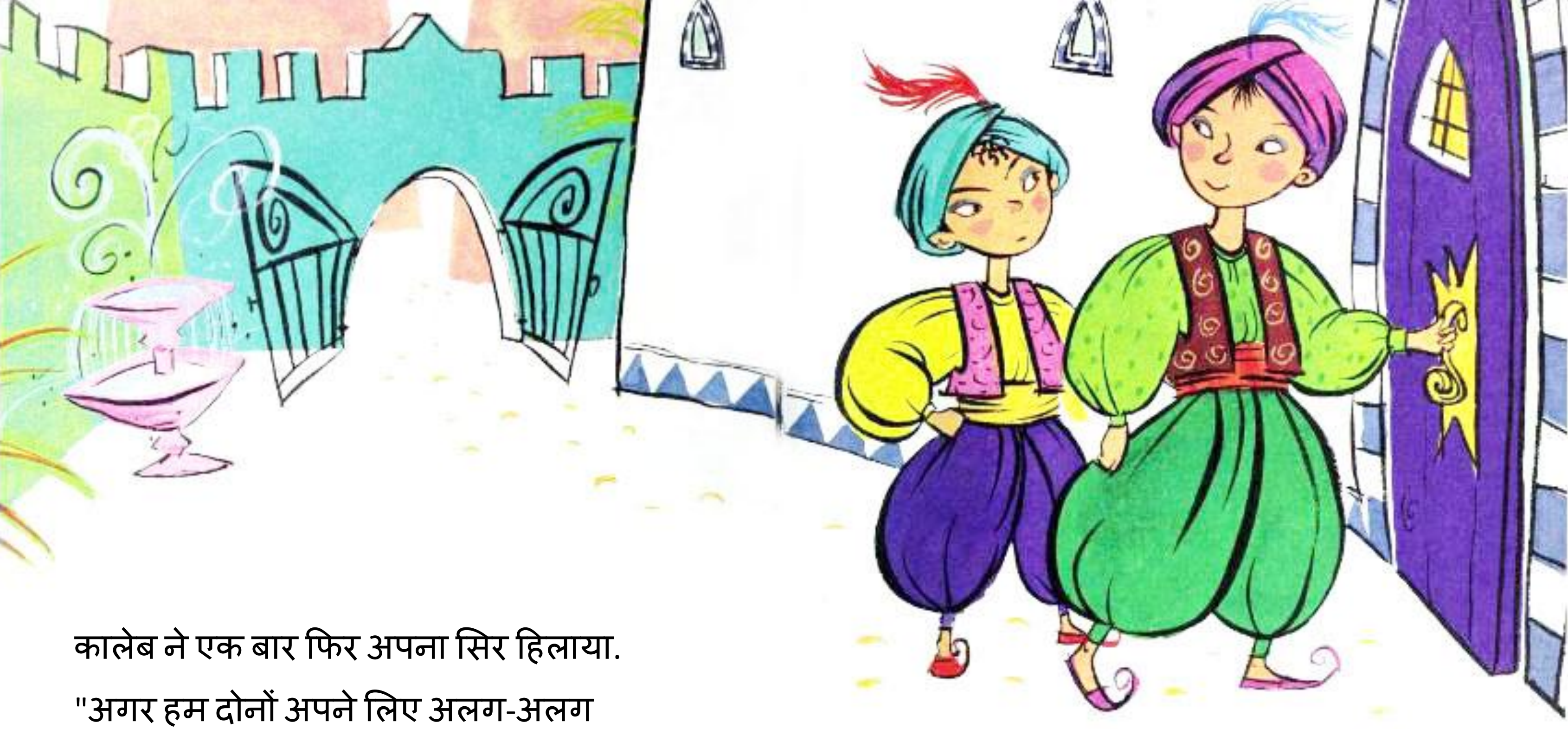
"ठीक है, पर अगर हम हाथी पालें तो कैसा रहेगा?" उमर ने कहा.

"तब हम पूरे राज्य में उसकी सवारी कर पाएंगे."

सिर्फ एक पल के लिए, कालेब को वो विचार पसंद आया. फिर उसने हाथी के घर के बारे में सोचा. यहां तक कि उमर भी शाही कर्मचारियों से हाथी के घर की सफाई नहीं करवा सकता था.

जब सफाई करने का समय आता तो कालेब को यकीन था कि उसे खुद ही फावड़े से खुदाई करनी पड़ती.





कालेब ने एक बार फिर अपना सिर हिलाया.
"अगर हम दोनों अपने लिए अलग-अलग पालतू जानवर लाएं तो कैसा रहेगा?" उसने कहा.
उमर मुस्कुराया.
"यह एक महान विचार है, बड़े भाई. मेरा पालतू जानवर राज्य में सबसे चतुर होगा. वो आपके पालतू जानवर से कहीं अधिक चतुर होगा."

कालेब भी मुस्कुराया. "ओह, नहीं, ऐसा नहीं होगा. मेरा पालतू जानवर बातचीत करेगा।"
"पालतू जानवर बातचीत नहीं कर सकते!" सब-कुछ-जानने वाले उमर ने कहा.
लेकिन अब उमर कुछ चिंतित लग रहा था.

अगली सुबह, राजकुमार उमर के शाही कमरे में एक मोटा पिल्ला आया.





उसी सुबह, राजकुमार कालेब के शाही कमरे में एक रंगीन, लंबी पूंछ वाला तोता आया.



तुरंत कालेब ने अपने तोते को बातचीत करना सिखाना शुरू किया.

"नमस्ते नमस्ते!" उसने कहा.

तोते ने अपने पंख फड़फड़ाए.



"आज आप कैसे हैं?" कालेब ने कहा.

तोते ने कालेब की उंगलियां पर अपनी चोंच मारी.



"पॉली को कुछ बीज चाहिए?" उसने कहा.

तोते ने उसके चेहरे पर कुछ बीज बिखेरे.



कालेब ने हर रोज़ तोते को कुछ नया सिखाने कोशिश की. लेकिन तोता चोंच बंद करके सिर्फ अपने पिंजरे में बैठा रहता.

जब यह सब चल रहा था तब
उमर का पिल्ला धीरे-धीरे बहुत
कुछ सीखकर चालाक हो रहा था.
"बैठो!" उमर कहता.
फिर पिल्ला बैठ जाता.





"वो लेकर आओ!" उमर ने
लाल गेंद फेंकते हुए उससे
कहा. फिर पिल्ला गेंद के
पीछे दौड़ा.



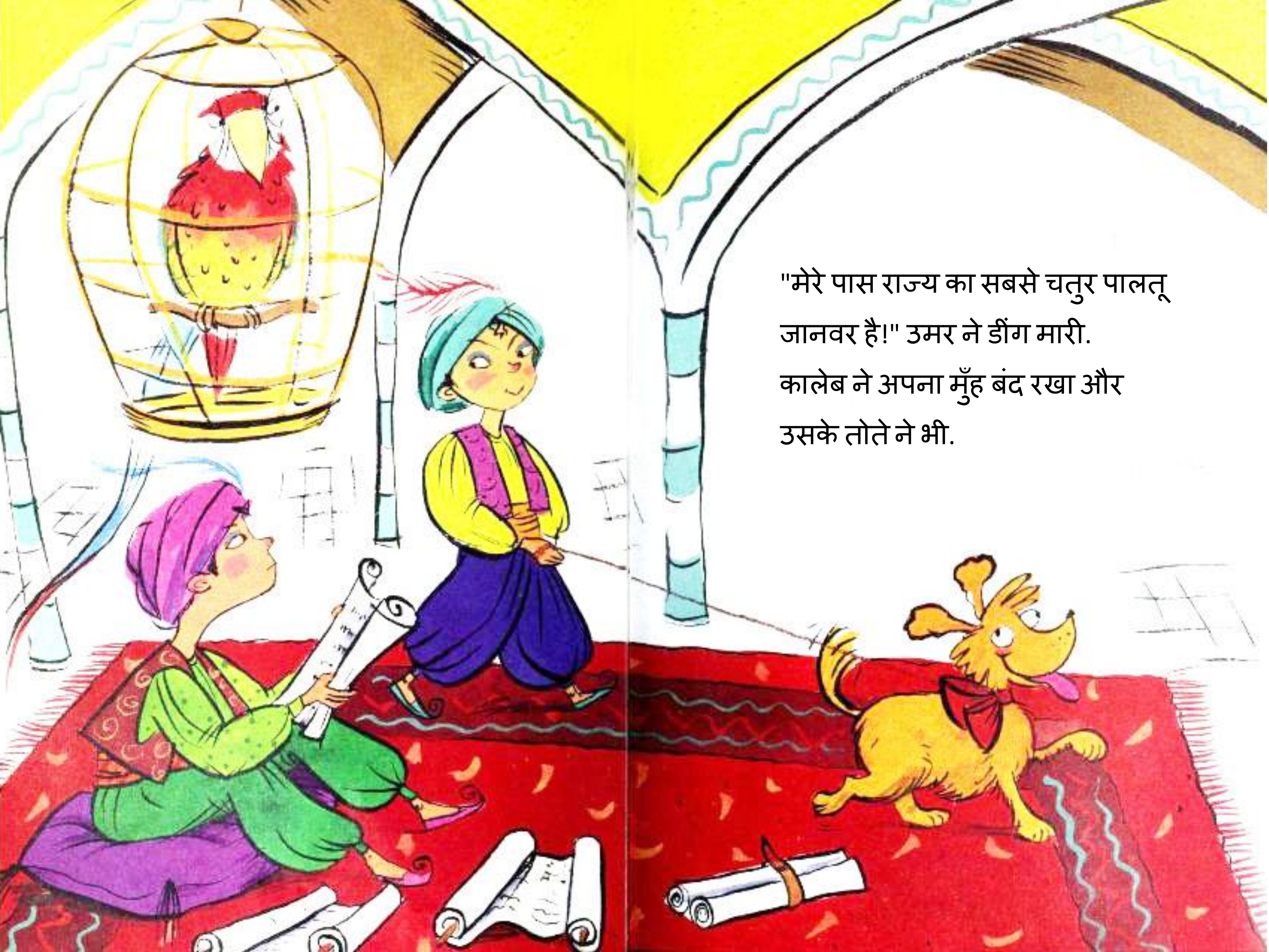


"गेंद गिराओ!" उमर ने कहा.
तब पिल्ले ने अपना मुंह खोलकर गेंद
को ठीक उमर के पैरों पर गिरा दिया.





"यहीं रुको!" उमर ने कहा.
फिर पिल्ला वहीँ ठहर गया.



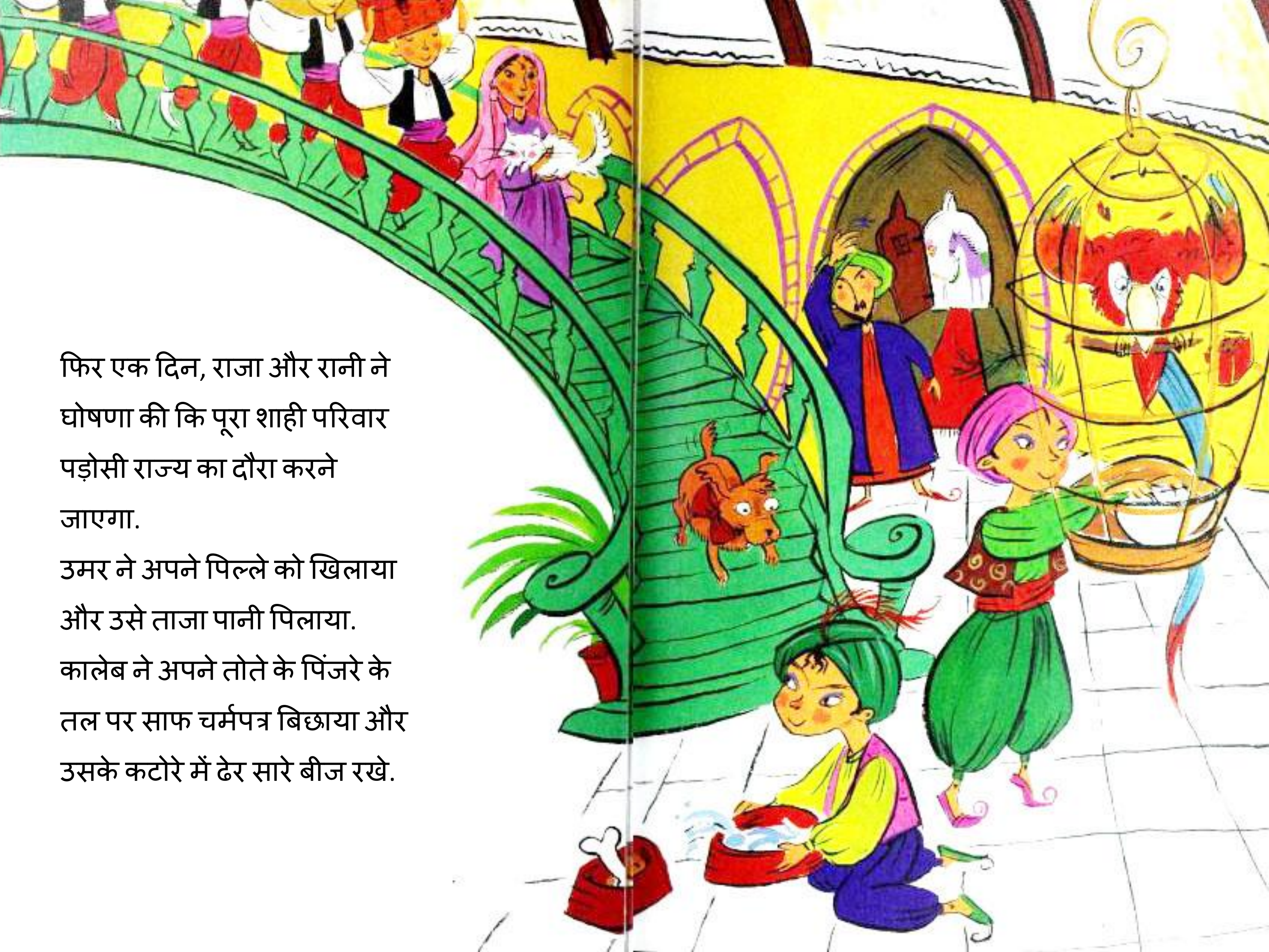
"मेरे पास राज्य का सबसे चतुर पालतू जानवर है!" उमर ने डींग मारी.

कालेब ने अपना मुँह बंद रखा और उसके तोते ने भी.

फिर एक दिन, राजा और रानी ने घोषणा की कि पूरा शाही परिवार पड़ोसी राज्य का दौरा करने जाएगा.

उमर ने अपने पिल्ले को खिलाया और उसे ताजा पानी पिलाया.

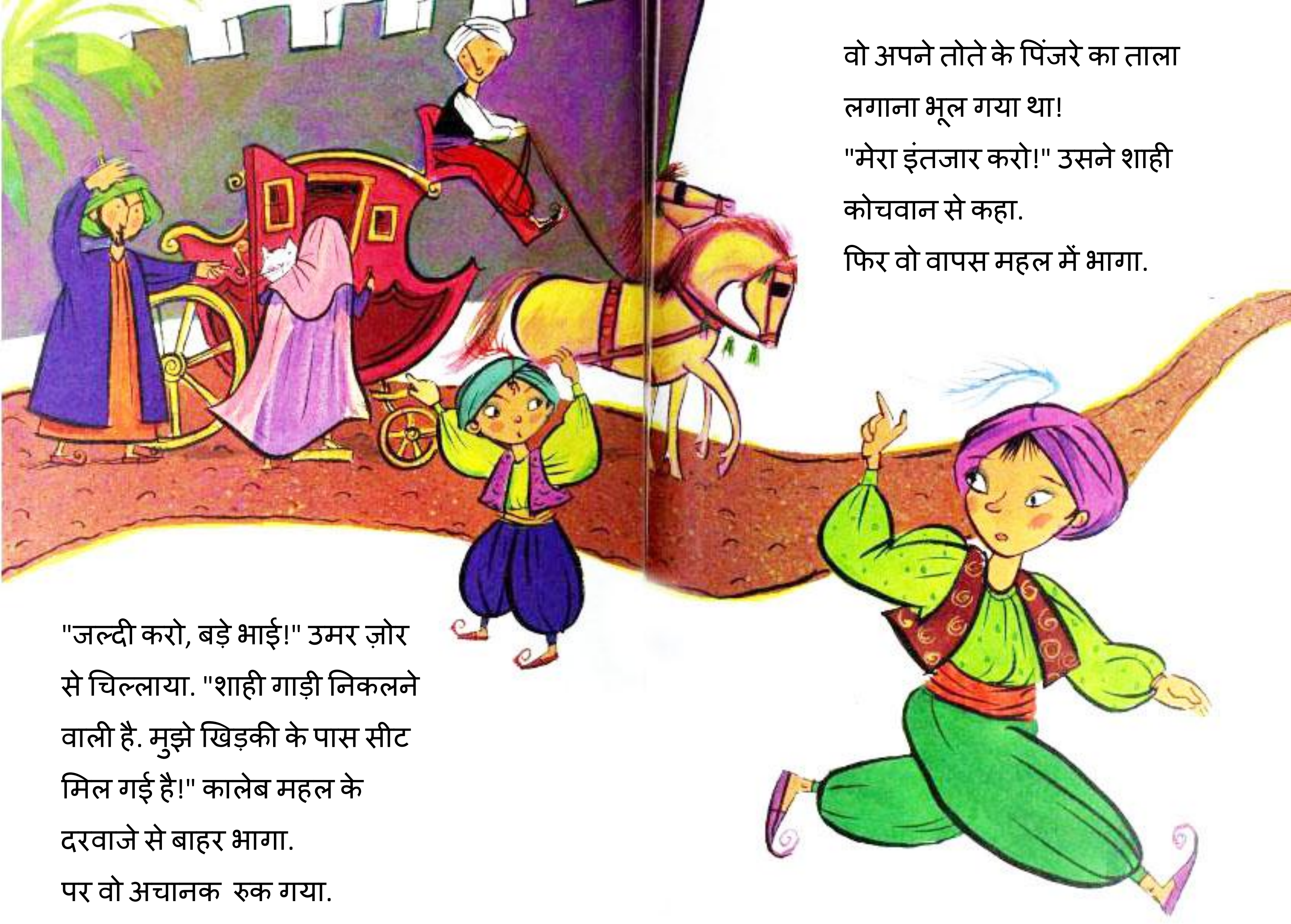
कालेब ने अपने तोते के पिंजरे के तल पर साफ चर्मपत्र बिछाया और उसके कटोरे में ढेर सारे बीज रखे.



वो अपने तोते के पिंजरे का ताला लगाना भूल गया था!

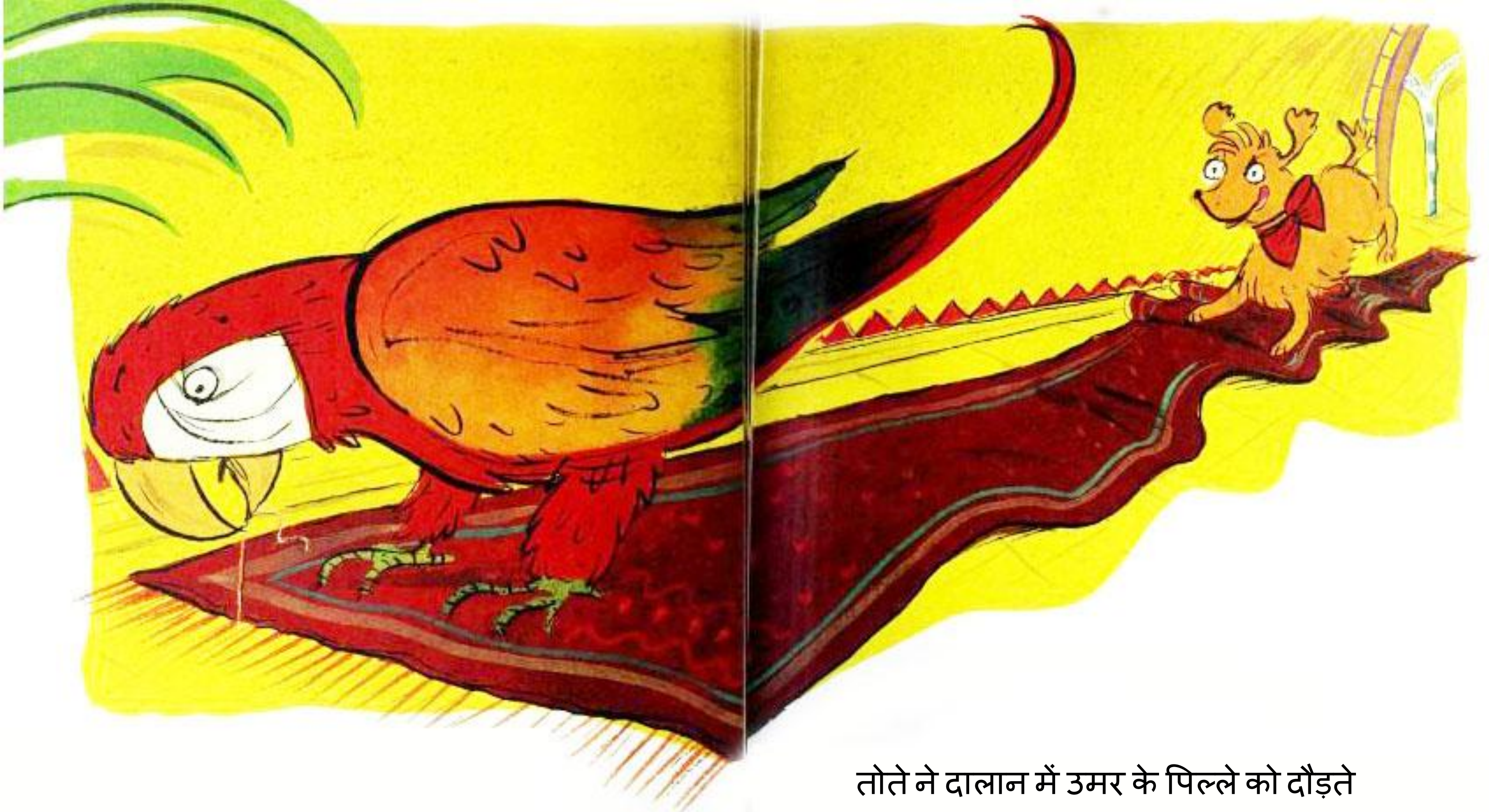
"मेरा इंतजार करो!" उसने शाही कोचवान से कहा.

फिर वो वापस महल में भागा.



"जल्दी करो, बड़े भाई!" उमर ज़ोर से चिल्लाया. "शाही गाड़ी निकलने वाली है. मुझे खिड़की के पास सीट मिल गई है!" कालेब महल के दरवाजे से बाहर भागा.

पर वो अचानक रुक गया.



इस बीच, तोता व्यस्त था. उसने अपने पिंजरे के दरवाजे को खोल लिया था और वो उड़ता हुआ महल के लम्बे दालान में आ गया था.
वहाँ, वो गलीचे के सोने के धागों को नोच रहा था.

तोते ने दालान में उमर के पिल्ले को दौड़ते आते हुए नहीं सुना. उसने पिल्ले को अपने होंठ चाटते हुए भी नहीं देखा. लेकिन उसने पिल्ले के दांतों को अपने पैरों के पास ज़रूर महसूस किया!



उसी क्षण, कालेब भागता हुआ वहां पहुंचा.
उसे अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हुआ!

इससे पहले कि वह आगे बढ़ता, या कुछ कहता,
उसने एक तेज, कर्कश आवाज सुनी.
"छोड़ दो!" तेज़ आवाज आई.



पिल्ले ने अपना मुंह खोला. उसे वही करने की ट्रेनिंग मिली थी. तोता बाहर उड़ गया.

"बैठो!" तोते ने कहा. पिल्ला तुरंत बैठ गया.

"ठहरो!" तोते ने फिर कहा.

पिल्ला वहीँ रुक कर बैठ गया.

कालेब हंस पड़ा.

उसे पता था कि अब उसका चतुर तोता सुरक्षित था.

उन्होंने अलविदा कहा और वो शाही कोच के पास भागकर गया.



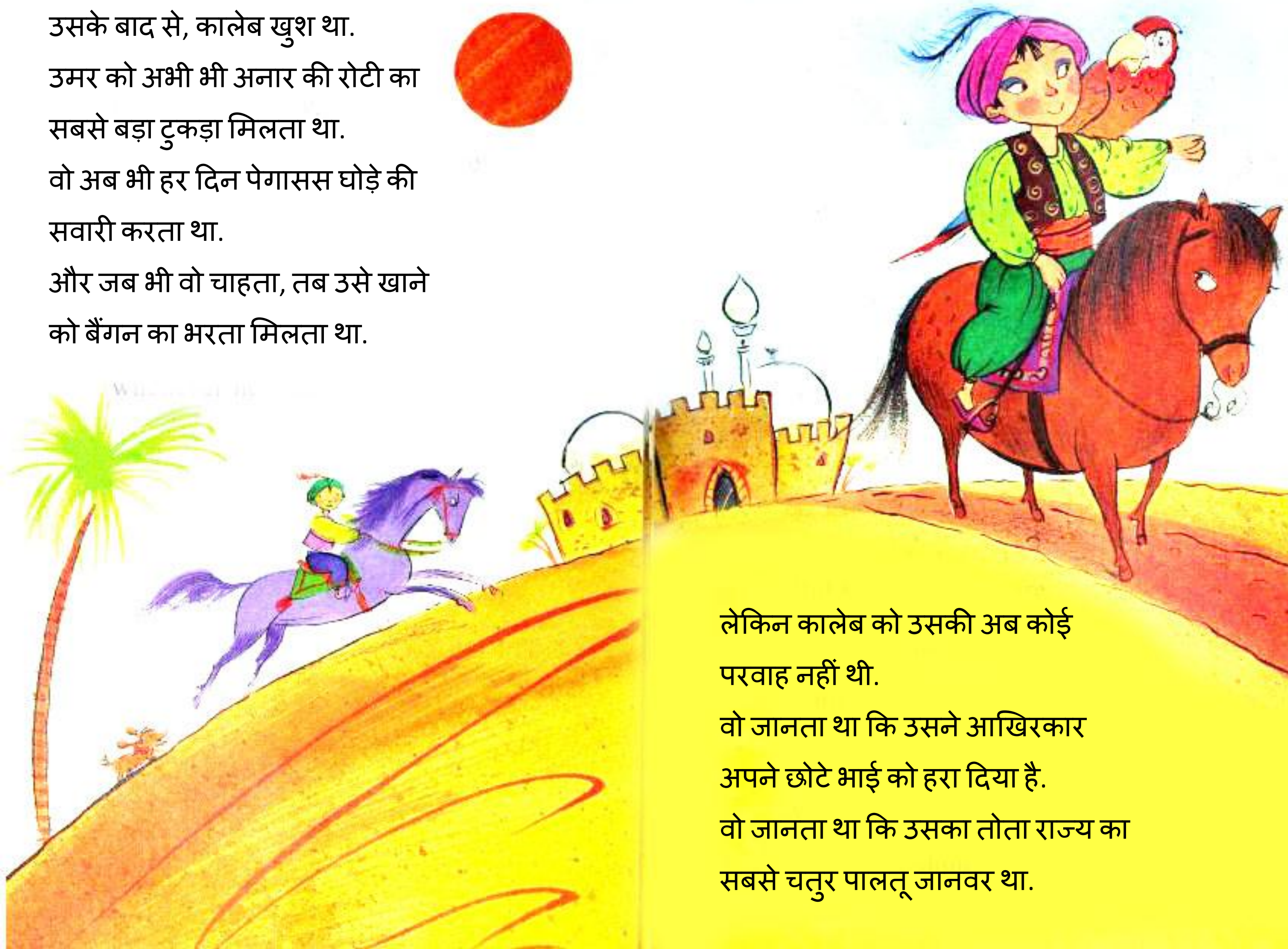




"नमस्ते नमस्ते!" तोते को कहा. "राजकुमारी को खाने के लिए एक बिस्कुट चाहिए!" कालेब मुस्कुराया. वो शाही किचन में भागा हुआ गया और अपने साथ बिस्कुट लेकर आया.

दोपहर को जब शाही परिवार घर वापिस आया, तो उमर हैरान था. उसका पिल्ला दालान में तोते को आदेश दे रहा था और पिल्ला उसके लिए लाल गेंद ला रहा था!

उसके बाद से, कालेब खुश था.
उमर को अभी भी अनार की रोटी का
सबसे बड़ा टुकड़ा मिलता था.
वो अब भी हर दिन पेगासस घोड़े की
सवारी करता था.
और जब भी वो चाहता, तब उसे खाने
को बैंगन का भरता मिलता था.



लेकिन कालेब को उसकी अब कोई
परवाह नहीं थी.
वो जानता था कि उसने आखिरकार
अपने छोटे भाई को हरा दिया है.
वो जानता था कि उसका तोता राज्य का
सबसे चतुर पालतू जानवर था.



लेकिन कालेब बस मुस्कुराता रहा
और उसने अपना मुँह बंद रखा.

समाप्त